This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **1485**

Unique Paper Code : **210607** **D**

Name of the Paper : **6.3(b) Aesthetics II**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Philosophy**

Semester : **VI**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt any *Five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. "*Pramana* means in philosophy the norm of properly directed thought, in ethics the norm of properly directed action, in art the norm of properly conceived design." Discuss with reference to Coomaraswamy.

"दर्शनशास्त्र में प्रमाण का अर्थ है सही दिष्ट विचार, नैतिकता में सही दिष्ट कर्म, कला में सही दिष्ट रूपरेखा ।" कुमारस्वामी के संदर्भ में व्याख्या कीजिए ।

P.T.O.

2. How does Coomaraswamy expound his view that the traditional Indian art is a spiritual activity ? Discuss.

कुमारस्वामी किस प्रकार अपना दृष्टिकोण समझाते हैं कि परंपरागत भारतीय कला एक आध्यात्मिक क्रिया है ? व्याख्या कीजिये ।

3. Explain and examine Rekha Jhanji's view that the traditional Indian art works are autonomous entities and not instruments for spiritual development.

रेखा झांजी के अनुसार परंपरागत भारतीय कलाकृतियाँ स्वतंत्र तत्व हैं न कि आध्यात्मिक विकास का साधन । समझाइये एवं निरीक्षण कीजिए ।

4. Critically examine Rekha Jhanji's arguments to defend the 'sensuous' in traditional Indian art.

रेखा झांजी के अनुसार परंपरागत भारतीय कला में 'इंद्रिय विषयक' होने के तर्कों का समीक्षात्मक निरीक्षण कीजिये ।

5. Write an essay on the concept of *rasa* as expounded by Hiriyanna.

हिरियानना के अनुसार रस के सिद्धांत पर निबंध लिखिए ।

6. Critically examine Hiriyanna's position with regard to art and morality.

हिरियानना की कला और नैतिकता की स्थिति का समीक्षात्मक निरीक्षण कीजिये ।

7. Evaluate Nihar Ranjan Ray's position with regard to the distinction between art and craft.

निहार रंजन राय के अनुसार कला और शिल्प के अंतर का मूल्यांकन कीजिये ।

8. Write an essay on the nature and essence of classical Indian art with reference to Nihar Ranjan Ray.

निहार रंजन राय के भारतीय कला के स्वभाव और तत्व पर निबंध लिखिए ।